SA-01

December - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवम् अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) वासवदत्ता की मृत्यु से व्याकुल उदयन की देखभाल करने वाले मन्त्री का नाम बताइये।

(ii) 'महासेन' विशेषण किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(iii) उदयन की वीणा का क्या नाम था?

(iv) चतुर्थ अंक में पद्मावती किस प्रयोजन से प्रमदवन आती है?

(v) राजा सुदर्शन के मूर्ख पुत्रों को नीतिज्ञ बनाने की चुनौती किस विद्वान ने स्वीकार की?

(vi) रूपक अलंकार का लक्षण बताइये।

(vii) उपजाति छन्द का लक्षण बताइये।

(viii) मालिनी छन्द का क्या लक्षण है?

(ix) भासनाटकचक्र में कुल कितनी नाट्यरचनाएं हैं? दो के नाम बताइए।

(x) महासेन का सन्देश लाने वाला कञ्चुकी किस गोत्र का था?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) अनाहारे तुल्यः सततरुदितक्षामवदनः
शरीरे संस्कारं नृपतिसमदुःखं परिवहन्।
दिवा वा रात्रौ वा परिचरति यत्नैर्नरपतिः
नृपः प्राणान् सद्यस्त्यजति यदि तस्याप्युपरमः।।

(ii) कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले–काले छिद्यते रुह्यते च।।

3) उदयन की चारित्रिक विशेषताएं बताइये।

4) दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(i) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

(ii) सत्कारो हि नाम सत्कारेण प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।

(iii) अद्यैव किल शोभनं नक्षत्रम्।

(iv) प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

(i) वंशस्थ

(ii) वसन्ततिलका

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' यह नाम क्यों रखा गया है? नाटक का सारांश बताइये।

7) संस्कृत–नीति–कथा–साहित्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8) सञ्चयशील जम्बुक दीर्घराव की कथा का सार लिखते हुए कथा से प्राप्त शिक्षा बताइये।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइये।

(i) अनुप्रास

(ii) उपमा

(iii) स्वभावोक्ति

(iv) सन्देह

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति,
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
आस्वाद्यतोयाः प्रवहन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेया।।

(ii) न धर्मशास्त्रं पठतीति कारणम्,
न चापि वेदाध्ययनं दुरात्मनः।
स्वभाव एवात्र तथातिरिच्यते,
यथा प्रकृत्या मधुरं गवां पयः।।

(iii) रोगशोकपरीतापबन्धनव्यसनानि च।
आत्मापराधवृक्षाणां फलान्येतानि देहिनाम्।।

(iv) यस्मिन् देशे न सम्मानो,
न वृत्ति न च बान्धवः।
न च विद्यागमः कश्चित्,
तं देशं परिवर्जयेत्।।

11) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर भास की नाट्यकला की समीक्षा कीजिए।

12) भास के नाटकों की विशेषताएं बताते हुए संस्कृत साहित्य में भास का स्थान निर्धारित कीजिए।

13) मन्थर कछुए व उसके मित्रों की कथा तथा कर्पूरतिलक हाथी तथा धूर्त सियार की कथा का सारांश लिखकर कथा से प्राप्त होने वाली शिक्षा बताइये।